B. com. I Principle of Economics { By. Sujeet kr. Suman R. N. C. Hajipur / 23-05

माँग का नियम
(Law of demand)

माँग का नियम वस्तु की कीमत और उस कीमत पर माँग की जाने वाली मात्रा के गुणात्मक संबंध को बताता है। उपभोक्ता अपनी मनोवैज्ञानिक प्रवृति के अनुसार अपने व्यवहारिक जीवन में ऊँची कीमत पर वस्तु की मात्रा कम खरीदता है और कम कीमत पर वस्तु की अधिक मात्रा। उपभोक्ता की इसी मनोवैज्ञानिक उपभोक्ता की प्रवृति पर माँग का नियम आधारित है।

अर्थशास्त्र में केवल प्रभावपूर्ण इच्छा को ही माँग कहते हैं।

दूसरे शब्दों में- "माँग किसी वस्तु को प्राप्त करने की उस इच्छा को कहते है जो वस्तु को खरीदने के लिए साधन और उन साधनों को उस वस्तु की प्राप्ति के लिए खर्च करने की तत्परता से संयुक्त होती है।"

प्रो० मार्शल के अनुसार- "कीमत में कमी के फलस्वरूप वस्तु की माँगी जाने वाली मात्रा में वृद्धि होती है तथा कीमत में वृद्धि होने से माँग घटती है।"

अर्थात, $P \propto \frac{1}{Q}$

P = वस्तु की कीमत
Q = वस्तु की माँग

माँग के नियम को दो प्रकार के सारणी द्वारा व्यक्त किया जा सकता है :-

(a) वैयक्तिक माँग सारणी → किसी व्यक्ति की माँग की सारणी अथवा तालिका वस्तु की उन भिन्न-भिन्न मात्राओं की तालिका है जिन्हें वह विभिन्न मूल्य पर खरीदेगा।

नारंगी की कीमत	नारंगी की मात्रा
6 रु प्रति नारंगी	2
5 रु " "	4
4 रु " "	6
3 रु "	8
2 रु " "	10

उपरोक्त तालिका से यह स्पष्ट है कि जैसे-जैसे नारंगी की कीमत कम होती है, नारंगी की मात्रा में वृद्धि होती जाती है जब नारंगी की कीमत 6 ₹ प्रति नारंगी है तो वह केवल 2 नारंगी की ही माँग करता है, जब कीमत घटकर 2 ₹ प्रति नारंगी हो जाती है नारंगी की माँग बढ़कर 10 नारंगी हो जाती है।

(ख) बाजार माँग तालिका → बाजार में किसी वस्तु के सभी ग्राहकों की सामूहिक माँग के आधार पर तालिका तैयार की जाती है उसे बाजार माँग तालिका कहते हैं। बाजार माँग तालिका वैयक्तिक माँग तालिका का योग होती है।

विभिन्न वर्गों के उपभोक्ता के नारंगी की माँग

मूल्य प्रति नारंगी	धनी वर्ग	मध्यम वर्ग	निम्न वर्ग	नारंगी की कुल माँग
6 ₹	15	5	0	20
5 ₹	20	10	0	30
4 ₹	30	20	5	55
3 ₹	40	30	10	80
2 ₹	50	40	15	105
1 ₹	60	50	20	130

उपरोक्त तालिका में उपभोक्ता को उनकी आय के अनुसार तीन वर्गों में विभाजित किया गया है तालिका से यह स्पष्ट है कि जैसे-जैसे नारंगी की कीमत घटती जाती है वैसे-वैसे विभिन्न वर्गों के उपभोक्ताओं की नारंगी की माँग बढ़ती जाती है, इससे स्पष्ट है कि बाजार माँग तालिका विभिन्न व्यक्तियों की माँग की तालिका की माप होती है।

* माँग वक्र → जब माँग की तालिका को रेखा चित्र द्वारा व्यक्त किया जाता है तो इसे माँग की रेखा अथवा माँग वक्र कहते हैं।

Scanned with CamScanner

श्रीमती जॉन रॉबिन्सन के शब्दों में - "माँग की रेखा इस बात का प्रतिनिधित्व करती है कि एक बाजार में किसी विशेष समय में भिन्न-भिन्न कीमतों पर वस्तु की कितनी मात्राएँ खरीदी जायेंगी।

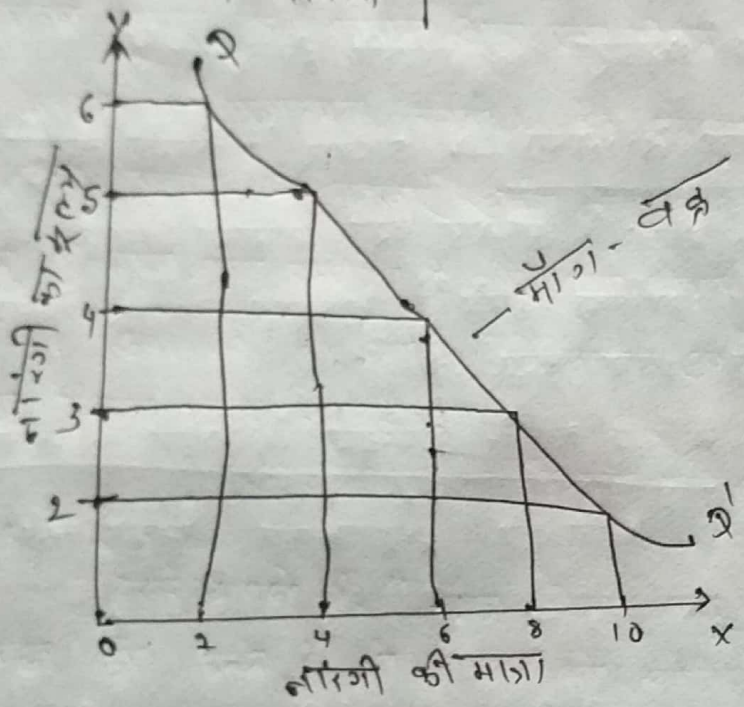

रेखाचित्र में OX रेखा पर नारंगी की संख्या एवं OY रेखा पर नारंगी का मूल्य दिखलाया गया है। DD' रेखा माँग की रेखा है। यह माँग की रेखा विभिन्न-विभिन्न बिन्दुओं के योग से बनी है। माँग की रेखा को देखने से यह स्पष्ट होता है कि वह नीचे दाहिने की ओर झुकी हुई है। यह माँग-वक्र की सर्वाधिक प्रधान विशेषता है।

— o —

Scanned with CamScanner